रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

जादू के रूप में लोगों को चमत्कृत कर रहा है विज्ञान –डॉ. नरेन्द्र सिंह
विश्वविद्यालय में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" सप्ताहक विज्ञान उत्सव और विज्ञान प्रदर्शनी में विचार लेखन, निबंधन लेखन प्रतियोगिताओं के साथ वैज्ञानिक व्याख्यान के आयोजन

जबलपुर 24 फरवरी। आवश्यकता अविष्कार की जननी होती है। अनादी काल से ही मनुष्य को जिन–जिन चीजों की जरूरत होती गई है उन्हें पाने के लिए वह खोज करता रहता है। इन्हीं नये तरीकों और आविष्कारों ने विज्ञान को जन्म दिया है। जिसका फल यह हुआ है कि आज विज्ञान की इतनी प्रगति हुई है कि इसको चमत्कार कहना अत्युक्ति होगी क्योंकि विज्ञान ने ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आश्चर्यजनक अविष्कार करके एक चमत्कार उत्पन्न कर दिया है। जादू कुछ और नहीं विज्ञान ही है जो लोगों को चमत्कृत कर देता है। ये जानकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह, नई दिल्ली ने गुरूवार को रानी दुर्गावती दुर्गावती विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह के मंच से दी।

मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" सप्ताह में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन में विविध स्पर्धाओं के आयोजन सम्पन्न हुए। विवि के मंच से डॉ. नरेन्द्र सिंह ने विज्ञान के एक से बढ़कर एक प्रयोगों के जरिये छात्र–छात्राओं को विज्ञान और जादू के अंतर को स्पष्ट किया। सभी प्रतियोगिताओं के आयोजन के दौरान आयोजन समिति समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एस.एन. रजक, डॉ. निपुण सिलावट, प्रो. एसएस संधू, डॉ प्रो. सुनीता शर्मा, प्रो. धीरेंद्र पाठक, प्रो. मुक्ता भटेले, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ, मीनल दुबे, इंजी. महावीर त्रिपाठी, डॉ. दीपेन्द्र सिंह, डॉ. एस.पी. त्रिपाठी, सम्राट बोस, सुनील चौधरी, रितेश चौरसिया आदि का सक्रिय योगदान रहा।

विज्ञान स्पर्धाओं को लेकर छात्र–छात्राओं में दिखा जोश–

विश्वविद्यालय में आयोजित विज्ञान स्पर्धाओं को लेकर छात्र–छात्राओं में विशेष उत्साह नजर आया। प्रातः विवि काउंसिल हॉल में आयोजन समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. एस.एन. रजक, डॉ. सुनीता

शर्मा, डॉ. निपुण सिलावट की मौजूदगी में "विचार लेखन" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इसके साथ ही "आत्मनिर्भर एवं समृद्ध मप्र के लिए योजना एवं क्रियान्वयन नीति एवं निराकरण" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरी तन्मयता के साथ हिस्सा लिया। शासकीय प्राथमिक ओएफके स्कूल से स्कूली छात्र–छात्राओं के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंची शिक्षिका श्रीमती सरोज रजक ने बताया कि विज्ञान के रोचक कार्यक्रमों ने स्कूली छात्र–छात्राओं को अचंभित कर दिया।

माडल प्रतियोगिता और वैज्ञानिक व्याख्यान आज–

"विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" आयोजन के स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, सह समन्वयक डॉ. एस.एन. रजक, डॉ सुनीता शर्मा एवं निपुण सिलावट ने बताया कि में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" सप्ताह के अंतर्गत 25 फरवरी 2022, शुक्रवार को भविष्य की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर माडल प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 11.30 बजे से आयोजित होगी एवं वैज्ञानिक व्याख्यान अपरांह 2.00 बजे से आयोजित होगा। इस अवसर पर विशेष आकर्षण के रूप में 'साइंस एक्जिबिशन व्हीकल' भी मौजूद रहेगा।